Hindustan Hindi (09.04.2016)

वाईएमसीए में इंजीनियर फ्रेंच और जर्मन पढ़ेंगे

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

इंजीनियरिंग के साथ अब वाईएमसीए यूनिवसिटी में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को जुलाई से फ्रेंच और जर्मन विदेशी भाषा का भी पाठ पढ़ाया जाएगा। करियर के लिहाज से दुनिया में बढ़ती इन भाषाओं की मांग को देखते हुए इस दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है ताकि तकनीकी शिक्षा के साथ छात्र भाषा के रूप में व्यावहारिक रूप से भी सशक्त हो सकें।

दरअसल, जर्मनी और फ्रेंच भाषा का प्रयोग लेटिन अमेरिका के कई देश में होता है। इससे इसकी रेज बढ़ जाती है। इन दोनों भाषाओं को सीखने के बाद ऑटो मोबाइल के क्षेत्र में बल्ले-बल्ले हो सकती है, क्योंकि जर्मनी ऑटो टेक्नोलाजी के क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुका है। मैकेनिकल में इंजीनियरिंग करने वाले छात्रों की जर्मनी पहली पसंद है। भारतीय युवाओं में अंग्रेजी बेहतर होने के बावजूद वहां की स्थानीय भाषा का ज्ञान नहीं होने के कारण बेहतर नहीं कर पाते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को यह दोनों भाषा की पढ़ाई कराई जा रही है।

60 घंटे का होगा कोर्सः कोर्स को 60 घंटे में पूरा कर दिया जाएगा। दोनों भाषा की कक्षा यूनिवर्सिटी में प्रत्येक शनिवार और रविवार को लगेगी। इसे जुलाई में शुरू करने की योजना है। एक सत्र में 25-30 छात्रों को दाखिला मिलेगा।

जर्मन व फ्रांस में मांग

जर्मन और फ्रांस में कार का आंतरिक और बाहरी भाग का डिजाइन किया जाता है। भारत के युवाओं की मांग काफी ज्यादा है। इसलिए ये देश यहां के युवाओं की पहली पसंद बनते जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इसे ध्यान में रखते हुए यहां भी यह कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

इंजीनियरिंग के छात्रों को अंग्रेजी के अलावा एक और भाषा पर नियंत्रण होना चाहिए। इस लिए जुलाई में शुरू करने की योजना है। इसकी क्लास प्रत्येक शनिवार और रविवार को होगी। -दिनेश कुमार, वाईएमसीए के कुलपति

यूनिवर्सिटी के बी टेक में कितनी है सीटें

● 60 : कम्प्यूटर इंजीनियरिंग ● 60 : आईटी ● 60 : इलेक्ट्रॉनिक्स ● 60 : इलेक्ट्रानिक्स और कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग ● 120 : मैकेनिकल इंजीनियरिंग ● 60 : इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग